जम्मू। सर्किट हाउस के कनवेन्शन ऑडिटोरियम में ब्रह्माकुमारीज़ के 80वें वार्षिकोत्सव के दौरान जम्मू-कश्मीर के डेप्युटी चीफ़ मिनिस्टर निर्मल कुमार सिंह को ईश्वरीय सौगात देते हुए ब्र.कु. मृत्युंजय,मा.आबू तथा ब्र.कु. सुदर्शन बहन। साथ हैं भाजपा कार्यकर्ता शीला हण्डू तथा ब्र.कु. प्रेम बहन।

नेपाल-वीरगंज। नवनिर्वाचित सांसद तथा विधायकों के स्वागत एवं सम्मान कार्यक्रम में मंचासीन हैं सांसद लक्ष्मण लाल कर्ण व हरीनारायण रौनियार तथा विधायकों के साथ ब्र.कु. रविना।

जयपुर-राज.। राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस पर राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ के 90.4 एफ.एम. रेडियो मधुबन को आसपास के क्षेत्र में ऊर्जा संरक्षण के लिए जागरुकता फैलाने हेतु दिये गए 'रिकग्रिशन अवॉर्ड' रेडियो मधुबन स्टेशन प्रमुख ब्र.कु. यशवंत, ब्र.कु. चन्द्रकला,वैशालीनगर एवं एनर्जी ऑडिटर केदार खामितकर को प्रदान करते हुए संजय मल्होत्रा,प्रिंसीपल सेक्रेट्री,ऊर्जा विभाग राज., आर.जी. गुप्ता,मैनेजिंग डायरेक्टर,जयपुर विद्युत वितरण निगम लि., बी.के.दोषी,चेयरमैन,आर.आर.ई.सी.एल. तथा अन्य।

भादरा-राज.। खेल स्टेडियम में राष्ट्रीय संस्था प्यारी बहना द्वारा आयोजित 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम के पश्चात् संस्था के संस्थापक सोनू चारण तथा पत्रकार जयवीर को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. चन्द्रकान्ता।

औरैया-उ.प्र.। दिबियापुर सी.आई.एस.एफ. कॉलोनी में जवानों एवं उनके परिवारों के लिए आयोजित 'वाह ज़िन्दगी वाह' कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. प्रो. स्वामीनाथन, ब्र.कु. कृष्णा तथा अन्य ब्र.कु. बहनें।

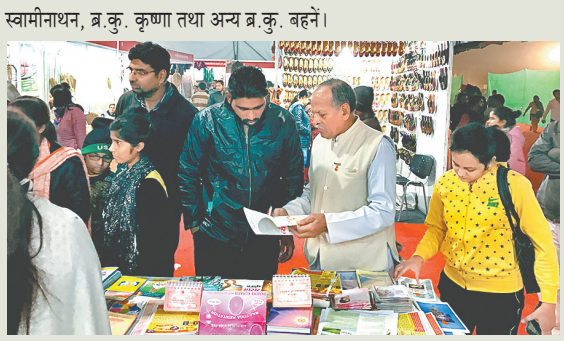

अमृतसर-पंजाब। पंजाब इंटरनेशनल ट्रेड एक्ज़ीविशन में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित आध्यात्मिक प्रदर्शनी एवं बुक स्टॉल का अवलोकन करते हुए शहर के लोग।

सृष्टि रुपी कल्पवृक्ष का बीज 'परमात्मा'

- गतांक से आगे...

ये सृष्टि उल्टा वृक्ष कैसे है? दुनिया की कोई भी आत्मा इस गुह्य रहस्य को स्पष्ट नहीं कर सकती है। संसार की उत्पत्ति का रहस्य भगवान ने पहले भी बताया कि परमधाम में मैं संकल्प स्फूटित करता हूँ और ये घर फिर प्रकृति के अंदर देता हूँ जो शरीरों का निर्माण करती है।

ये संसार एक वृक्ष है जिसका मूल (बीज), परमात्मा ऊपर है। ये कल्प-वृक्ष अविनाशी परंतु नित्य परिवर्तनशील है। स्थूल में भी हम देखते हैं कि वृक्ष में नित्य परिवर्तन आता है। जैसे-जैसे मौसम बदलते जाते हैं वैसे-वैसे परिवर्तन उसके अंदर आता जाता है। ठीक इसी तरह संसार के कल्प-वृक्ष में भी नित्य परिवर्तन होता रहता है। कोई भी इसके आदि-मध्य-अंत को समझ नहीं पाता है। परमात्मा आकर इस रहस्य को जब तक उजागर नहीं करते हैं, तब तक इसके आदि-मध्य-अंत का ज्ञान किसी के पास नहीं होता। इस जगत में इसके वास्तविक स्वरूप को देखा नहीं जा सकता। उल्टा वृक्ष कोई दिखाई थोड़े ही देता है। जो इस वृक्ष को मूल सहित जान लेता है, वो वेदों का भी ज्ञाता बन जाता है। मूल सहित जानना अर्थात् परमात्मा सहित जानना। दुनिया को जानने के लिए तो कई लोगों ने कई प्रकार की खोजें की हैं, कई प्रकार के रिसर्च किए हैं। लेकिन उसको पूर्णत: समझ नहीं पाते हैं, क्योंकि जब तक मूल को ही नहीं समझा है, बीज को ही नहीं समझा है तो वृक्ष को क्या समझेंगे? दुनिया के अंदर भी किसी भी वृक्ष को अच्छी तरह समझने के लिए उसके बीज को समझना पड़ता है कि ये बीज कैसा है और इसके अंदर की क्षमता कितनी है। जब तक उस वृक्ष के ऊपर रिसर्च नहीं होता है, तब तक उस वृक्ष को समझ नहीं पाते हैं। ठीक इसी प्रकार भगवान ने कहा कि वास्तविक रूप को तो देखा नहीं

-ब्र.कु.ऊषा,वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

जा सकता है। इसलिए जब तक मूल सहित उसको नहीं जाना तब तक कुछ नहीं समझ सकते। तब तक उनकी सारी रिसर्च अधूरी रह जाती है। इसलिए इस संसार को समझना कठिन हो गया है। मनुष्य ने तो इसे और जटिल कर दिया है।

भगवान ने कहा कि इस वृक्ष की शाखायें प्रकृति के तीन गुणों द्वारा पोषित होती हैं। ये शाखायें भी कैसी हैं? शाखाओं में भी आप तीन रंग देखेंगे। सात्विक अर्थात् सतोप्रधान, गोल्डन और सिल्वर कलर में दिखाया है। राजसिक अर्थात् कांस्य के कलर में दिखाया है। तामसिक अर्थात् तमोप्रधानता, जो इस शाखा के अंदर भी आती है, उसे काले कलर में दिखाया है। इस संसार को कहा गया है कि ये वृक्ष नित्य परिवर्तनशील है। परिवर्तनशील अर्थात् जैसे सतयुग और त्रेतायुग में सतोप्रधानता थी। फिर जब द्वापर आया तो रजोप्रधानता और जब कलियुग आया तो तमोप्रधानता इस संसार के अंदर आने लगी। यह प्रकृति के तीन गुणों द्वारा पोषित होते हैं। इनकी टहनियाँ इंद्रियां और विषय-विकार हैं जो मनुष्य को कर्म के अनुसार बंधन में बांधते हैं। - क्रमश:

मन की खुशी और सच्ची शांति के लिए देखें
आपका अपना 'पीस ऑफ माइंड चैनल'

'Peace of Mind' channel

TATA Sky 1065 airtel digital TV 678
videocon d2h 497 Reliance Digital TV 640
FASTWAY GTPL DEN hathway UCN DigiCable SITI

Free to Air
ABS FREE DTH
KU Band with MPEG (DVB-S/S2) Receiver
LNB Freq. - 10600/10600
Tans Freq. - 11911
Polarization - Horizontal
Symbol - 44000
22k - On
Satellite - ABS-2; 75° E

Contact
Brahma Kumaris, 2nd Flr Anand Bhavan, Shantivan, Sirohi, Abu Rd, Raj-307510
+91 9414151111
+91 8104777111
info@pmtv.in
www.pmtv.in

ख्यालों के आईने में...

मौन और मुस्कान दोनों का इस्तेमाल कीजिए। मौन रक्षा कवच है, तो मुस्कान स्वागत -द्वार। मौन से जहाँ कई मुसीबतों को पास फटकने से रोका जा सकता है, वहीं मुस्कान से कई मसलों का हल निकाला जा सकता है...।

खुद से बहस करोगे तो सारे सवालों के जवाब मिल जाएंगे, अगर दूसरों से करोगे तो और नये सवाल खड़े हो जाएंगे।

कठिन परिस्थिति एक वॉशिंग मशीन की तरह होती है। जो हमें ठोकर मारती है, घुमाती है और निचोड़ती भी है, परन्तु...... जब भी हम इनसे बाहर आते हैं, तो हमारा व्यक्तित्व पहले की अपेक्षा अधिक साफ, चमकीला और बेहतर होता है।

ओमशान्ति मीडिया सदस्यता हेतु सम्पर्क करें...

कार्यालय- ओमशान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510, सदस्यता के लिए सम्पर्क - M - 9414006096, 9414182088, Email- omshantimedia@bkivv.org, Website- www.omshantimedia.info

सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 200 रुपये, तीन वर्ष 600 रुपये, आजीवन 4500 रुपये । विदेश - 2500 रुपये (वार्षिक) कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम से मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।